डिप्लोमा इन एलिमेन्ट्री एजुकेशन (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् , बिहार

जुलाई 2016 से आरम्भ हुए डी.एल.एड. (दूरस्थ शिक्षा) के प्रथम सत्र के प्रशिक्षुओं के लिए

प्रदत्त प्रश्न (Assignment Questions)

प्रथम सत्र का विषयपत्र–S1.2 : बाल विकास और सीखना–1

प्रश्नों की संख्या : 5	प्रदत्त प्रश्न	अधिकतम अंक : 20

दिशानिर्देश :

- प्रत्येक खण्ड से **एक–एक** प्रश्न करें। लगभग 400–500 शब्दों में उत्तर को लिखें।
- प्रदत्त प्रश्न के उत्तर में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किए जाने की अपेक्षा है : 1. डी.एल.एड.(ओ.डी.एल.) की स्वाध्याय सामग्रियों के अध्ययन से बनी समझ। 2. प्राथमिक विद्यालय के पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन–अध्यापन से बनी समझ। 3. अध्ययन केन्द्र पर साधनसेवियों व सहप्रशिक्षुओं के साथ हुई चर्चा से बनी समझ। 4. अपने विद्यालय व कक्षाकक्ष की विभिन्न गतिविधियों को करने से बनी समझ।
- अध्ययन केन्द्र पर जैसे ही किसी इकाई की चर्चा समाप्त होती है तो उससे सम्बंधित प्रदत्त प्रश्न को प्रशिक्षुओं द्वारा करके साधनसेवी को तुरन्त समीक्षा हेतु जमा करना होगा। कितने प्रशिक्षुओं ने उक्त प्रदत्त प्रश्न के उत्तर को जमा कराया, इसका रिकार्ड प्रत्येक साधनसेवी द्वारा रखा जाना अनिवार्य होगा, जिसकी जाँच समय–समय पर की जाएगी।

प्र.सं.	खण्ड–1	अंक : 04
1.A	बाल विकास की जानकारी एक शिक्षक के लिए क्यों आवश्यक है? तर्क प्रस्तुत करें।	
1.B	बच्चों के विकास में जन–संचार माध्यमों का क्या योगदान है? उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट करें।	
1.C	सीखने का परिपक्वता से क्या कोई सम्बंध है? सोदाहरण स्पष्ट करें।	
1.D	सीखने की अवधारणा का ऐतिहासिक विकास कैसे हुआ, समझाएं।	
1.E	बाल विकास में परिवार एवं शिक्षक की क्या भूमिका होनी चाहिए? सोदाहरण समझाएं।	

प्र.सं.	खण्ड–2	अंक : 04
2.A	शारीरिक विकास के विभिन्न पहलुओं का संक्षिप्त वर्णन करें।	
2.B	विकास की विभिन्न अवस्थाओं में बच्चे के शरीर में होनेवाले परिवर्तन का सोदाहरण विश्लेषण करें।	
2.C	शैशवावस्था में बच्चे में होनेवाले मनोगत्यात्मक विकास का उदाहरण देकर विश्लेषण करें।	
2.D	बच्चे के शारीरिक एवं मनोगत्यात्मक विकास का ज्ञान एक शिक्षक के लिए क्यों आवश्यक है? तर्क दें।	
2.E	मनोगत्यात्मक कौशलों के प्रकार को समझाएँ। उनके कुछ उदाहरण भी प्रस्तुत करें।	

प्र.सं.	खण्ड–3	अंक : 04
3.A	संवेदी–क्रियात्मक अवस्था के विशेष लक्षणों का सोदाहरण वर्णन करें।	
3.B	पियाजे के सिद्धांत के शैक्षिक निहितार्थों का विश्लेषण करें। आप अपनी कक्षा में उनका क्या प्रयोग कर सकते हैं।	
3.C	बिने के बुद्धि–परीक्षण की क्या सीमाएं थी ? समझाएं।	
3.D	क्या बुद्धि का मापन किया जा सकता है? अपने जवाब के पक्ष में तर्क दें।	
3.E	गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धांत की व्याख्या को आप किस प्रकार से देखते हैं? इसका इस्तेमाल आप अपने शिक्षण में किस प्रकार कर सकते हैं।	

प्र.सं.	खण्ड–4	अंक : 04
4.A	बैण्डुरा के सामाजिक–अधिगम सिद्धांत के प्रमुख बिन्दुओं का विश्लेषण करें और उसके उदाहरणों को प्रस्तुत करें।	
4.B	बैण्डुरा का सिद्धांत व्यवहारवादी सिद्धांत से किस प्रकार अलग है? स्पष्ट करें।	
4.C	वायगोत्सकी के सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धान्त का शिक्षक के लिए क्या महत्त्व है? विश्लेषण करें।	
4.D	वायगोत्स्की के सिद्धान्त के अनुसार बच्चे के संज्ञान के विकास में उसके समाजिक अनुभव और भाषा की क्या भूमिका होती है? समझाएं।	
4.E	सहारा लगाना (Scaffolding) क्या है? इसका सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में क्या उपयोग है? उदाहरण सहित बताएं।	

प्र.सं.	खण्ड–5	अंक : 04
5.A	संप्रत्यय क्या है? उदाहरण देकर समझायें।	
5.B	संप्रत्यय के विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए?	
5.C	कक्षा में बच्चों में संप्रत्यय विकास में कौन–कौन सी मानसिक प्रक्रियाएँ संलग्न होती है?	
5.D	कार्य–कारण की समझ के विकास में सामाजिक, सांस्कृतिक तत्वों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।	
5.E	पियाजे और ब्रुनर के सिद्धान्तों में क्या समानतायें हैं तथा यह किस प्रकार भिन्न हैं? चर्चा कीजिए।	